



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

25/3/86

सं० 48] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 30, 1985 (अग्राहायण 9, 1907)
No. 48] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 30, 1985 (AGRAHAYANA 9, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—अंश 1—भारत सरकार के संज्ञासूचियों (रक्षा संज्ञासूचियों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांख्यिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	849
भाग I—अंश 2—भारत सरकार के संज्ञासूचियों (रक्षा संज्ञासूचियों को छोड़कर) द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	1459
भाग I—अंश 3—रक्षा संज्ञासूचियों द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांख्यिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	—
भाग I—अंश 4—रक्षा संज्ञासूचियों द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	1563
भाग II—अंश I—असांख्यिक, अध्यादेश और विधियम	*
भाग II—अंश 1—असांख्यिक, अध्यादेशों और विधियों का हिन्दी नामांकन प्राधिकृत पाठ	*
भाग II—अंश 2—विशेषकर विधियों पर नगर सचिवों के विचार व्यक्त रिपोर्टें	*
भाग II—अंश 3—अन-अंश (i)—भारत सरकार के संज्ञासूचियों (रक्षा संज्ञासूचियों को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (अन-अंशित क्षेत्रों के प्रशासकों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियम (जिसमें सामान्य स्वयं के आदेश और उपविधियों आदि भी शामिल हैं)	*
भाग II—अंश 3—अन-अंश (ii)—भारत सरकार के संज्ञासूचियों (रक्षा संज्ञासूचियों को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (अन-अंशित क्षेत्रों के प्रशासकों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांख्यिक आदेश और अधिसूचनाएं	*
भाग II—अंश 3—अन-अंश (iii)—भारत सरकार के संज्ञासूचियों (विशेषकर रक्षा संज्ञासूचियों को शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (अन-अंशित क्षेत्रों के प्रशासकों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियमों की उपविधियों को शामिल है) के हिन्दी में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के अंश 3 या अंश 4 में प्रकाशित होते हैं)	39658
भाग II—अंश 4—रक्षा संज्ञासूचियों द्वारा जारी किए गए सांख्यिक विषय और आदेश	*
भाग III—अंश 1—उच्चतम न्यायालय, महाबोधा परीक्षक, अंतर्गत सेवा आयोग, रेलवे प्रशासकों, अन्य न्यायालयों और भारत सरकार के अंतर्गत और असीमित आयोगों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं	831
भाग III—अंश 2—विशेष कार्यलय, सचिवता द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं और नोटिस	—
भाग III—अंश 3—मुख्य व्यक्तियों के प्राधिकार के असीमित बचपन द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं	2101
भाग III—अंश 4—विशेष अधिसूचनाएं जिसमें सांख्यिक विषयों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	191
भाग IV—नगर-सरकारी व्यक्ति और नगर-सरकारी निकायों द्वारा विज्ञापन और नोटिस	*
भाग V—संवेदी और द्वितीय दोहों में कम और मुख्य के आदेशों को विचारने का अधिकार	*

*पृष्ठ संख्या प्राप्ति नहीं हुई।

CONTENTS

	PAGES		PAGES
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	849	PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) on General Statutory Rules & Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories) ..	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	1459	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence ..	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence ..	—	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India! ..	39559
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence ..	1563	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	831
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	—
PART II—SECTION 1-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..	2101
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills ..	*	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	191
PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*	PART V—Supplement showing statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi ..	*
PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*		

भाग I—खण्ड 1
[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा भाव्यों और संकल्पों से सम्बंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1985

सं० 117-प्रेज/85—राष्ट्रपति, बिहार पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सन्मान प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम तथा पद
श्री कृष्ण मोहन लाल,
पुलिस उप निरीक्षक,
थाना तिलौथू,
जिला रोहतास।

श्री राम लखन सिंह,
पुलिस सहायक उप निरीक्षक,
थाना तिलौथू,
जिला रोहतास।

सेवाओं का विवरण जिसके लिये पदक प्रदान किया गया

26 अप्रैल, 1984, की सुबह को श्री कृष्ण मोहन लाल, उप निरीक्षक थाना तिलौथू, जिला रोहतास, को विषयगत सूचना मिली कि डाकू दादा का गिरौह गांव बदोखारा में डकैती डालने के लिए एकत्रित है। वह श्री राम लखन सिंह, सहायक उप निरीक्षक और एक सशस्त्र पुलिस दल के साथ तत्काल गांव को गए। उन्होंने देखा कि मान सशस्त्र व्यक्ति बोरिंग की तरफ से आ रहे हैं। पुलिस दल को देखते ही डाकुओं ने गोलीबारी करनी शुरू कर दी। श्री लाल ने डाकुओं को आत्मसमर्पण करने के लिए ललकारा लेकिन उन्होंने गोलीबारी की आड़ में पहाड़ी की तरफ भागने की कोशिश की। पुलिस दल ने उनका पीछा किया लेकिन अपराधियों ने पहाड़ पर चढ़ना शुरू कर दिया। इस पर उप निरीक्षक पुलिस दल को दो भागों में विभाजित किया। एक दल अपने और दूसरा श्री राम लखन सिंह के नेतृत्व में एक दल उत्तरी दिशा से पहाड़ पर चढ़ा और दूसरा दल दक्षिणी दिशा से। डाकू पुलिस दल से पहले पहाड़ की चोटी पर पहुंच गए और पुलिस पर भंडाधुध गोलीबारी करने लगे। कोई भी उपाय न पाने पर तथा पुलिस दल को आने वाले खतरों का आभास होने पर श्री कृष्ण मोहन लाल ने अपने जवानों को आत्मरक्षा के लिए जवाब में गोलीबारी करने का आदेश दिया। श्री राम लखन सिंह के नेतृत्व वाले दूसरे दल ने भी गोलीबारी करनी शुरू कर दी। श्री राम लखन सिंह गोली लगने से जखमी हो गए। मुठभेड़ लगभग दो घंटे तक जारी रही। पुलिस दल भागे बढ़े और डाकुओं के 5 शव प्राप्त किए अर्थात् शिव प्रसाद बुज, बाबू लाल तुसाध, पाल शहाब, मुख्तार यादव और महेश यादव के शव। गिरौह का मुखिया राम प्रसाद कोयरी उर्फ दादा और राधेश्याम भागने में सफल हो गए।

इस मुठभेड़ में श्री कृष्ण मोहन लाल, उप निरीक्षक और श्री राम लखन सिंह, सहायक उप निरीक्षक ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्च-दोटी की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 26 अप्रैल, 1984 से दिया जाएगा।

सं० 118-प्रेज/85—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सन्मान प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम तथा पद
श्री रवीन्द्र सिंह,
पुलिस उप निरीक्षक,
एटा।

श्री अशोक कुमार रावत,
पुलिस उप निरीक्षक,
एटा।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

2 अक्टूबर, 1983 को श्री रवीन्द्र सिंह पुलिस उप निरीक्षक को काशी उर्फ बाबा के गिरौह की उपस्थिति के बारे में सूचना प्राप्त हुई जो गांव नागला मोहन के निकट एक अग्रहृत व्यक्ति को लेकर खड़ी फसलों में छिपे हुए थे। वे श्री अशोक कुमार रावत, उप निरीक्षक, और कुछ अन्य पुलिस कर्मचारियों के साथ गांव नागला मोहन गये। वृक्ष की चोटियों पर चढ़े डाकुओं के संतरियों ने आते हुए पुलिस दल को देखा और गोली चलाई। पुलिस दल ने तुरन्त आड़ ली और जवाब में गोली चलाई तथा डाकुओं को आत्मसमर्पण करने के लिए ललकारा। चूंकि डाकू एक दोवार में प्लेटफार्म के पीछे छिप गये थे इसलिए पुलिस की गोली बारी प्रभावहीन साबित हुई। गिरौह की गोलीबारी से उनकी शक्ति का अन्धाजा लगाकर एक ग्रामीण को पास के धानों से कुमुक लाने के लिए भेजा गया। गिरौह ने पुलिस दल पर बार-बार गोली चलाकर बाजू से निकल उनको घेरने का प्रयत्न किया। श्री अशोक कुमार रावत, उप निरीक्षक ने अपनी स्टेनगन से गोली चलाई जो एक डाकू को लगी जिसका बाद मिनाखत होने पर मालूम हुआ कि वह काशी उर्फ बाबा था। डाकुओं ने फिर अपने को दलों में विभाजित किया और भिन्न-भिन्न दिशाओं में बढ़ने लगे। श्री रावत उप निरीक्षक ने डाकुओं को आत्मसमर्पण करने की वांछा जतावनी दी लेकिन निष्फल रही। इसी बीच थाना गंज बुंदवारा और माहावर सिद्धपुरा और कासगंज से कुमुक पहुंच गई। डाकुओं के एक दल को देखा गया और इस पर भारी गोलीबारी की गई। एक हल्की सी लड़ाई के बाद गिरौह के एक सदस्य अर्थात् मुन्ना को भी गाला लगने से मृत्यु हो गई। कई घंटे की मुठभेड़ के बाद पुलिस दल गिरौह के तीन और सदस्यों को गोली मारने में सफल हुआ। लेकिन गिरौह के शेष सदस्य बचकर भाग गए। सूचना प्राप्त होने पर पुलिस वरिष्ठ अधीक्षक भी मौके पर पहुंच गए और बिखरे हुए डाकुओं का सामना करने के लिए पुलिस दलों का पुनर्गठन और पुनर्विभाजन किया लेकिन डाकू बच कर भाग गए।

इस मुठभेड़ में, श्री रवीन्द्र सिंह, उप निरीक्षक और श्री धर्मपाल कुमार रावत, उप निरीक्षक ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 12 अक्टूबर, 1983 से दिया जाएगा।

सं० 119-ग्रेज/85—राष्ट्रपति, दिल्ली पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहित प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम तथा पद
श्री धर्मपाल सिंह,
पुलिस उप निरीक्षक सं० डी०/12921
श्री विजय कुमार मनचन्दा,
पुलिस उप निरीक्षक सं० डी०/13981
श्री सुशील कुमार,
पुलिस उप निरीक्षक सं० डी०/20181
श्री धर्मवीर गुप्ता,
पुलिस उप निरीक्षक सं० डी०/8711
श्री सुखपाल,
कांस्टेबल सं० 791/सी०।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

मई, 1985 के दूसरे सप्ताह दिल्ली के विभिन्न भागों तथा पड़ोसी राज्यों में साथ-साथ बम विस्फोट हुए जिसके परिणामस्वरूप अनेक व्यक्तियों की मृत्यु हुई तथा अनेक घायल हुए। असुरक्षा की भावना के प्रतिरिक्त ऐसे विस्फोटों की काफी प्रतिक्रिया होने की संभावना थी जिसके कारण दिल्ली तथा अन्य स्थानों पर गम्भीर साम्प्रदायिक दंगे भड़क सकते थे।

दिनांक 11 मई, 1985 को पटेल नगर, नई दिल्ली पुलिस थाने को पश्चिमी पटेल नगर के करतार सिंह नारंग के घर से कुछ संदिग्ध-गतिविधियों की खबर मिली। यह संवेह किया गया कि उसके सह-पड़ोसवासी अनेक दिनों रविवार होने के कारण नारंग के घर आ सकते हैं। 12 पुलिस उप निरीक्षकों तथा 2 कांस्टेबलों का बिना बर्षों का सशस्त्र पुलिस दल उसके घर दिन-रात निगरानी के लिए रखा गया था। दल को चार घण्टों में बांटा गया ताकि तजर रखी जा सके और उचित समय पर छापा मारा जा सके।

दिनांक 12 मई, 1985, के अपराह्न लगभग दो बजे जब उक्त अधिकारी अपनी बारी में उपस्थित थे तो संदेहास्पद दिखाई देने वाले व्यक्ति घर के नजदीक आये। अधिकारियों ने उन्हें ललकारा। इस पर, एक व्यक्ति मन मोहन सिंह बजाव ने अपना हथियार निकाला और पुलिस दल पर गोली चलाने की कोशिश की। इससे पहले कि वह गोली चला पाता, उप निरीक्षक, धर्मवीर गुप्ता ने उसका हाथ मजबूती से पकड़ लिया और कांस्टेबल सुखपाल ने उसे पीछे से पकड़ लिया। वह काफी हड़क-कट्टा था और लगातार ठोकरें मार रहा था जिसके कारण अन्य उप निरीक्षक मनचन्दा और सुशील कुमार घायल हो गये। घायल होने के बावजूद उप निरीक्षक शील कुमार ने नारंग को पकड़ लिया जिसने लोहे की छड़ से पुलिस दल पर आक्रमण किया। इसी प्रकार, उप निरीक्षक धर्मपाल सिंह ने मोहिन्द्र सिंह ओबराय को काबू में कर लिया जिसने पुलिस दल पर कृपाण से आक्रमण किया था। ये तीन उग्रवादी बम विस्फोटों के मामलों में मुख्य पड़ोसवासी थे। इन उग्रवादियों को पुलिस दल द्वारा इस मुठभेड़ में जिया पकड़ा गया।

श्री धर्मपाल सिंह, उप निरीक्षक, श्री विजय कुमार मनचन्दा, उप निरीक्षक, श्री सुशील कुमार, उप निरीक्षक, श्री धर्मवीर गुप्ता, उप निरीक्षक तथा श्री सुखपाल, कांस्टेबल, ने उत्कृष्ट वीरता, साहस तथा उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 12 मई, 1985 से दिया जाएगा।

सु० नीलकण्ठन, उप राष्ट्रपति का उप सचिव

योजना मंत्रालय

सांख्यिकी विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

सं० एम-13016/2/85-समन्वय:—रोजगार तथा बेरोजगारी सांख्यिकी विषयक तकनीकी सलाहकार समिति के गठन से संबंधित दिनांक 27-9-1979 की समसंबंधक अधिसूचना के साथ पठित इस विभाग की दिनांक 2-7-1975 की अधिसूचना सं० एच-11013/5/74-जे० सी०एम०/समन्वय का आंशिक संशोधन करते हुए उक्त अधिसूचना के पैरा 1 में आये क्रम संख्या 3 तथा 4 की वर्तमान प्रविष्टियों के स्थान पर तत्काल प्रभाव से क्रमशः निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाती हैं:—

3. आर्थिक एवं सांख्यिकी सलाहकार

हरियाणा सरकार,
चण्डीगढ़।

4. सांख्यिकी आयुक्त,

तमिलनाडु सरकार,
मद्रास।

मुकुल राय, अवर सचिव

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त 1985

शुद्धिपत्र

1. सं० एफ 8(14)/82-आई०सी०—भारत के राजपत्र भाग 1 खंड 1 तारीख 11-7-1985 में प्रकाशित तारीख 4-7-1985 के संकल्प में "उप-समिति" शब्द के स्थान पर, जहाँ जहाँ वह उक्त संकल्प में आया है, "समिति" शब्द रखा जाएगा।

आदेश

आदेश किया जाता है कि यह शुद्धिपत्र सार्वजनिक जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

दिनांक 18 मितम्बर 1985

शुद्धि-पत्र

1. सं० एफ० 8(14)/82-आई०सी०—भारत के राजपत्र, भाग 1, खंड 1, तारीख 11-7-1985 में प्रकाशित तारीख 4-7-1985 वाले संकल्प में, पैरा 2 के क्रम सं० 15 के पश्चात् निम्नलिखित उप-पैरा सं० 2 के रूप में जोड़ा जाए, अर्थात्:—

श्री बि० प्रभाकर राव, संयुक्त सचिव और विधि सलाहकार, विधि और न्याय मंत्रालय, विधि कार्य विभाग, समिति के सचिव के रूप में कार्य करेंगे।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह शुद्धि-पत्र भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

बी०एस० शेखी, सचिव

कार्मिक और प्रशिक्षण, प्रशासनिक सुधार

और लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 5 नवम्बर 1985

संकल्प

सं० 11014/2/85-हिन्दी—भारत सरकार ने कार्मिक और प्रशिक्षण, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय में एक हिन्दी सलाहकार समिति का गठन करने का निर्णय लिया है। इस समिति का गठन, कार्य आदि निम्नानुसार होंगे :—

1. सरकारी सदस्य

1. श्री पी० निदम्बरन्, डप मंत्री (कार्मिक) अध्यक्ष
2. श्री के० रामानुजम, मन्त्रि (कार्मिक) सदस्य
3. कु० कुलुम लता मिश्र, सचिव (राजभाषा) सदस्य
4. श्री भार० के० दिक्कू, स्थापना अधिकारी सदस्य
5. श्री भार० परमेश्वर, अपर सचिव (प्रशासनिक सुधार) सदस्य
6. श्री भार्द० के० रसगोत्रा, अपर सचिव (पेंशन) सदस्य
7. श्री डी० सी० गुप्ता, संयुक्त सचिव (सतर्कता) सदस्य
8. श्रीमती आरती जोसला, संयुक्त सचिव (स्थापना) सदस्य
9. संयुक्त सचिव (सेवाएं) सदस्य
10. श्री अशोक प्रधान, संयुक्त सचिव (नीति नियोजन) सदस्य
11. श्री के० ए० चन्द्रशेखरन, संयुक्त सचिव (प्रशिक्षण) सदस्य
12. संयुक्त सचिव (राजभाषा) सदस्य
13. निदेशक (सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान) सदस्य
14. निदेशक (सास बहादुर मास्त्री राष्ट्रीय प्रशामन प्रकाशनी) सदस्य
15. निदेशक (केन्द्रीय प्रशिक्षण न्यूरो) सदस्य
16. अध्यक्ष (कर्मचारी नयन प्रायोग) सदस्य
17. श्री एस० के० पार्थसारथी, विशेष कार्य अधिकारी (प्रशासनिक ग्यायाधिकरण) सदस्य
18. श्री एन० के० अग्रवाल, निदेशक (प्रशामन) सदस्य

II. गैर सरकारी सदस्य

19. श्री राम पाल सिंह, संसद सदस्य (लोक सभा), 50, नार्थ एवेन्यू, नई दिल्ली। सदस्य
20. श्री विष्णु कुमार मोदी, संसद सदस्य (लोक सभा), 8, राजस्थान हाउस, नई दिल्ली। सदस्य
21. श्री चन्द्रिका प्रसाद जिपाडी, संसद सदस्य (राज्य सभा), 98, नार्थ एवेन्यू, नई दिल्ली। सदस्य
22. डा० बापू कालदास, संसद सदस्य (राज्य सभा), 11, लोबी एस्टेट, नई दिल्ली। सदस्य
23. श्री सुधाकर पांडे, संसद सदस्य, संसदीय सदस्य
24. श्री एस० जगतेश्वरन, संसद सदस्य, राजभाषा समिति के सदस्य

25. श्री साहेबराज लहानकर, सिबाजी नगर, नांदेड़ (महाराष्ट्र)। सदस्य

26. डा० चन्द्र शेखर, रीडर, हिन्दी विभाग, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला। सदस्य

27. श्री पी० भार० श्रीनिवास शास्त्री, सलाहकार, कर्नाटक महिला हिन्दी सेवा समिति तथा मिस्सिपल, हिन्दी शिक्षक, बी०एड०, ट्रेनिंग कालेज, बंगलौर। सदस्य

28. अध्यक्ष, केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद् (नाम में) (श्री यू० सी० अग्रवाल, मुख्य सतर्कता आयुक्त)। सदस्य

29. श्री ए० एस० मेहता, संयुक्त सचिव (प्रशासन) सदस्य सचिव

III. कार्य

इस समिति सरकारी प्रयोजनों के लिए हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित विषयों पर कार्मिक और प्रशिक्षण, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय और इसके सम्बन्ध/प्रभिनस्त्र कार्यालयों को सलाह देगी।

IV. कार्यकाल

समिति का कार्यकाल सामान्य रूप से समिति के प्रारंभिक गठन की तारीख से निम्न बातों के अधीन 3 वर्षों का होगा :—

- (क) जो संसद सदस्य इस समिति का सदस्य है, वह संसद सदस्य न रहने पर इस समिति का सदस्य नहीं रह सकेगा।
- (ख) समिति के पदेन सदस्य जब तक मरवस्य बने रहेंगे जब तक कि वे उस पद की धारण किए हुए हैं जिसके कारण उन्हें समिति का सदस्य बनाया गया है।
- (ग) यदि किसी सदस्य की मृत्यु हो जाने अथवा इस्तीफा देने के कारण कोई स्थान रिक्त होता है तो उस स्थान पर नियुक्त सदस्य 3 वर्ष के कार्यकाल की शेष अवधि के लिए ही सदस्य रहेगा।

V. सामान्य

- (i) समिति आवश्यकतानुसार अनिवार्य सदस्यों को सहयोजित कर सकेगी और अपनी बैठकों में भाग लेने के लिए विशेषज्ञों को आमंत्रित कर सकेगी।
- (ii) समिति का प्रधान कार्यालय नई दिल्ली में होगा।

VI. यात्रा तथा भत्ते

गैर सरकारी सदस्यों को बैठकों में भाग लेने के लिए भारत सरकार द्वारा समय समय पर निर्धारित दरों पर यात्रा तथा दैनिक भत्ते दिए जाएंगे।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति निम्नलिखित को प्रेषित की जाए :

राष्ट्रपति का सचिवालय, प्रधानमंत्री का कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, लेखा परीक्षा निदेशक, केन्द्रीय राजस्व समिति के सभी सदस्य और भारत सरकार के सभी मंत्रालय और विभाग।

इस भी आदेश है कि सर्वसाधारण की सूचना के लिए इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

ए० एस० मेहता, संयुक्त सचिव

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मन्त्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

आदेश

विषय :— अण्डमान अण्डनीय क्षेत्र में एन-32, एन-33 और एन-34 संरचना में 348 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के लिए एन०एन० जी०सी०, मद्रास को, पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस की स्वीकृति।

सं०ओ-12012/15/एन०जी०सी०-4—पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम 5 के उपनियम (1) की धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, तेल भवन, देहरादून (ओएन के बाद आयोग कहा जायेगा) को अण्डमान अण्डनीय क्षेत्र में एन० 32, एन० 33 और एन० 34 संरचना में 248 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में पेट्रोलियम मिलने की संभावनाओं हेतु एक पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस 6-4-85 से 4 वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृति देती है।

इसके विवरण इसके माथ संलग्न अनुसूची "क" में दिये गये हैं।

लाइसेंस की स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों पर है :—

(क) अन्वेषण लाइसेंस पेट्रोलियम के संबंध में होगा।

(ख) यदि अन्वेषण कार्य के दौरान कोई खनिज पदार्थ पाये गये हो आयोग पूर्ण स्तर के साथ उसकी सूचना केन्द्रीय सरकार को देगा।

(ग) स्वतः शुल्क (रायल्टी) निम्नलिखित दरों पर ली जायेगी :—

(i) समस्त अशोधित तेल तथा केसिंग हैब्र केडेन्सेट पर 61 रुपये प्रति मी० टन या ऐसी दर जो समय समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित की जायेगी।

(ii) प्राकृतिक गैस के संबंध में ये दर केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर निर्धारित दर के अनुसार होगी।

(iii) स्वतः शुल्क (रायल्टी) की अवायगी, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मन्त्रालय, नई दिल्ली के वेतन तथा लेखा अधिकारी को भी जायेगी।

(घ) आयोग लाइसेंस के अनुगणन में प्रत्येक माह के प्रथम 30 दिनों में गत माह में प्राप्त समस्त अशोधित तेल की मात्रा, केसिंग हैब्र केडेन्सेट और प्राकृतिक गैस की मात्रा तथा उसका कुल उचित मूल्य वगैरह बाला एक पूर्व तथा उचित विवरण केन्द्रीय सरकार को भेजेगा। यह विवरण संलग्न अनुसूची "ख" में दिये गये प्रपत्र में भरकर देना होगा।

(ङ) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम 11 की आवश्यकता के अनुसार आयोग 6000/- रुपये की धनराशि प्रति-भूति के रूप में जमा करेगा।

(च) आयोग प्रति वर्ष लाइसेंस के संबंध में एक शुल्क के संबंध में एक मुलक का भुगतान करेगा जिसकी संगणना प्रत्येक वर्ग किलोमीटर या उसके किसी भ्रंश जिसका लाइसेंस में उल्लेख किया गया हो, निम्नलिखित दरों पर की जायेगी।

- | | |
|--|------------|
| 1. लाइसेंस के प्रथम वर्ष के लिए | 4 रुपये |
| 2. लाइसेंस के द्वितीय वर्ष के लिए | 20 रुपये |
| 3. लाइसेंस के तृतीय वर्ष के लिए | 100 रुपये |
| 4. लाइसेंस के चतुर्थ वर्ष के लिए | 200 रु०। |
| 5. लाइसेंस के तवीकरण के प्रथम और द्वितीय वर्ष के लिए | 300 रुपये। |

(छ) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम II के उपनियम (3) की आवश्यकतानुसार आयोग की अन्वेषण लाइसेंस के किसी क्षेत्र के किसी भाग को छोड़ देने की स्वतंत्रता सरकार को दो माह के नोटिस के बाद होगी।

(ज) केन्द्रीय सरकार की मांग पर उसको तत्काल तेल तथा प्राकृतिक गैस अन्वेषण के अन्तर्गत पाए गए समस्त खनिज पदार्थों के संबंध में भू-वैज्ञानिक आँकड़ों के बारे में एक पूर्ण रिपोर्ट गुप्त रूप से देगा तथा

हर छः महीने में निश्चित रूप से केन्द्रीय सरकार को समस्त परिवर्तनों का अद्ययन तथा अन्वेषण कार्यों के परिणामों के बारे में सूचना देगा।

(झ) आयोग समुद्र की तलहटी और/या उसके धरातल पर भाग लगने संबंधी निवारक उपायों की व्यवस्था करेगा तथा भाग बुझाने हेतु समय के लिए ऐसे उपकरण, सामान तथा साधन बनाए रखेगा और तीसरी पार्टी और/या सरकार को उतना मुआवजा देगा जितना कि भाग लगने से हुई हानि के बारे में निर्धारित किया जायेगा।

(ञ) इस अन्वेषण लाइसेंस पर तेल क्षेत्र (नियंत्रण और विकास) अधिनियम, 1948 (1948 का 53) और पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के उपबन्ध लागू होंगे।

(ट) पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस के बारे में आयोग केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित एक जैसा बस्तावेज भर कर देगा जो अण्डनीय क्षेत्रों के लिए व्यवहार्य होगा।

(ठ) आयोग द्वारा बुवाई/अन्वेषी आपरेशनों/सर्वेक्षणों के दौरान एकत्र किए गए बायोमीट्रिक सतही नमूने धारा और चुम्बकीय आँकड़े सामान्य रूप से रखा संजालय नौसेना मुख्यालय को प्रस्तुत करने चाहिए।

(ड) तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग समुद्री विज्ञान आँकड़ों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

(डू) सम्पूर्ण आँकड़ों भारत में संकलित किए जाते हैं।

(ण) इस क्षेत्र में तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा एकत्र किए गए आँकड़ों की प्रतियाँ रखा मंत्रालय/मुख्य हाइड्रोग्राफर को निशुल्क उपलब्ध करायी जाती है।

(च) अगर विदेशी जलपोत लगाए जाते हैं तो उनका नौसेना सुरक्षा निरीक्षण उनके लगाए जाने से पूर्व किया जाना होता है। भारत में ऐसे जलपोतों के आने के बारे में पर्याप्त नोटिस दिया जाना चाहिए जिससे निरीक्षण बल की प्रतिनियुक्ति हो सके।

(छ) भावी संजालनात्मक योजना बनाने की सुविधा के लिए सर्वेक्षण आरम्भ करने/समाप्त करने की तिथि बतायी जाए।

सूची "क"

अण्डमान अण्डनीय क्षेत्र में एन-32, एन-33 और एन-34 संरचना में 348 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के लिए, पी०ई०एल० से संबंधित आँकड़े।

1. संरचनाएं—एन-32, एन-33, और एन-34
2. पी ई एल क्षेत्र—348 वर्ग किलोमीटर
3. पी ई एल क्षेत्र के भूगोलीय विवरण

बिंदू "क"	अक्षा०	12° 16' 00"
	देशा०	93° 11' 00"
बिंदू "ख"	अक्षा०	12° 16' 00"
	देशा०	93° 18' 00"
बिंदू "ग"	अक्षा०	12° 03' 22"
	देशा०	93° 15' 43"
बिंदू "घ"	अक्षा०	12° 02' 00"
	देशा०	93° 10' 00"
बिंदू "ङ"	अक्षा०	12° 06' 00"
	देशा०	93° 07' 00"

4. भूमि के तीन महत्वपूर्ण स्थानों से दूरतम खाइयों की लगभग दूरियाँ निम्न प्रकार हैं :—

(I) पोर्ट ब्लेयर = 90 किलोमीटर

(II) हैबलीक आईलैंड = 41 किलोमीटर

(III) हैरि नारेस = 26 किलोमीटर

आईलैंड

5. क्षेत्र में उपरिबर्ती जल की औसत जगभग दूरी क्षेत्र = 100 मीटर से 300 मीटर से कम

6. बुवाई की सम्भावित तिथि = 6-4-1985

अनुसूची—ख

अशोधित तेल, केसिंग कम्बेस्तेट तथा प्राकृतिक गैस के उत्पादन तथा उसके मूल्य सहित मासिक वितरण के लिए पेट्रोलियम अम्बेवण लाइसेंस क्षेत्रफल वर्ग किलोमीटर माह तथा वर्ष

क—अशोधित तेल

कुल प्राप्त किलो मीटरों की सं०	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जल-मय को लौटाये मी० टनों की सं०	केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अम्बेवण कार्य हेतु प्रयोग किये गये मी० टनों की सं०	कालम 2 और 3 को बढ़ाकर प्राप्त मी० टनों की सं०	टिप्पणी
1	2	3	4	5

ख—केसिंग हूड कम्बेस्तेट

प्राप्त किये गये कुल मी० टनों की सं०	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जल-मय को लौटाये मी० टनों की संख्या	केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अम्बेवण कार्य हेतु प्रयोग किये गये मी० टनों की संख्या	कालम 2 और 3 को बढ़ाकर प्राप्त मी० टनों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

ग—प्राकृतिक गैस

कुल प्राप्त घन मीटरों की संख्या	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलमय को लौटाये गये घन मीटरों की संख्या	केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अम्बेवण कार्य हेतु प्रयोग किये गये घन मीटरों की संख्या	कालम 2 और 3 को बढ़ाकर प्राप्त घन मीटरों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

एतद्वारा मैं, श्री— सत्य निष्ठापूर्वक घोषणा एवं पुष्टि करता हूँ कि इस विवरण में दी गई सूचना पूर्ण रूपेण सत्य और सही है, उसे सही समझते हुए मैं कुछ अन्तःकरण से सत्य निष्ठा से यह घोषणा करता हूँ।

हस्ताक्षर—

भारत के राष्ट्रपति के आदेश से और उनके नाम पर।

पी० के० राजगोपालन, डेप्टी सचिवकारी

कृषि मंत्रालय

(कृषि और महाकारिता विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्टूबर 1985

संकल्प

सं० 2-1/85-हि०बी०—कृषि मंत्रालय के दिनांक 17 सितम्बर, 1985 के समसंख्यक संकल्प के अनुक्रम में श्री जमीरुल्लाहमान, संसद सदस्य का निधन होने के फलस्वरूप हुए रिक्त स्थान पर श्री हरीश रावत, संसद सदस्य को कृषि मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति में एतद्वारा सदस्य के रूप में नामित किया जाता है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति इन सभी को प्रेषित की जाए—प्रधान मंत्री का कार्यालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसद कार्य विभाग, लोकसभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय, उप-राष्ट्रपति सचिवालय, भारत का नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, मुख्य वेतन सेवा आधिकारी कृषि मंत्रालय (कृषि और महाकारिता विभाग), कृषि मंत्रालय के सभी विभाग तथा उनके सभी अधीनस्थ/सम्बन्ध कार्यालय तथा उपक्रम आदि और भारत सरकार के सभी मंत्रालय/विभाग।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प सामान्य जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए।

स० स० रिजबी, संयुक्त सचिव

शहरी विकास मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्टूबर 1985

संकल्प

सं० ई-11015/4/84-हिन्दी—शहरी विकास मंत्रालय (भूतपूर्व निवास और आवास मंत्रालय) के दिनांक 11 जुलाई, 1985, 26 अगस्त, 1985 और 17 सितम्बर, 1985 के समान संख्यक संकल्प के अनुक्रम में, भारत सरकार ने शहरी विकास राज्य मंत्री को उपाध्यक्ष के रूप में और संयुक्त सचिव (रा० रा० खे०) को सदस्य के रूप में शहरी विकास मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति में नामित करने का निर्णय किया है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति समिति के सदस्यों, सभी राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधान मंत्री सचिवालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प आम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

जी० एम० गुप्ता, उप सचिव
तथा सदस्य सचिव,
हिन्दी सलाहकार समिति,
शहरी विकास मंत्रालय

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(हिन्दी अनुभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1985

संकल्प

सं० एच० पी० नू०/108/85—भारत सरकार नौवहन और परिवहन मंत्रालय के दिनांक 25 मार्च, 1981 के समसंख्यक संकल्प में जो उक्त मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति के पुनर्गठन के बारे में है

आंशिक संशोधन करती है और इस संशोधन के फलस्वरूप उक्त हिन्दी सलाहकार समिति का पुनर्गठन निम्नलिखित प्रकार से करती है—

- | | |
|--|------------|
| 1. नौवहन और परिवहन राज्यमंत्री | प्रध्यक्ष |
| 2. श्री शिवप्रसाद साहू, संसद सदस्य (लोक सभा) | सदस्य |
| 3. श्री नारायण चौबे, संसद सदस्य (लोक सभा) | " |
| 4. श्री सुधाकर पाण्डेय, संसद सदस्य (राज्य सभा) | " |
| 5. श्री गणेश्वर कुसुम, संसद सदस्य (राज्य सभा) | " |
| 6. श्री नेपालदेव भट्टाचार्य, संसद सदस्य | " |
| 7. श्री के० बी० बामस, संसद सदस्य | " |
| 8. परिवहन सचिव | " |
| 9. अपर सचिव (पत्तन) | " |
| 10. महानिदेशक (सड़क विकास) | " |
| 11. महानिदेशक (नौवहन) | " |
| 12. महानिदेशक वीपचर और वीपपीत विभाग | " |
| 13. अध्यक्ष तथा प्रबन्ध निदेशक, भारतीय नौवहन नियम लिमिटेड | " |
| 14. अध्यक्ष तथा महाप्रबन्धक, सेंट्रल इन्डियान एरलाइन्स लिमिटेड | " |
| 15. अध्यक्ष, कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट | " |
| 16. अध्यक्ष, मद्रास पोर्ट ट्रस्ट | " |
| 17. सचिव, राजभाषा विभाग व भारत सरकार की हिन्दी सलाहकार | " |
| 18. संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग (गृह मंत्रालय) | " |
| 19. श्री गया सिंह, भूतपूर्व एम० एल० ए० | " |
| 20. श्री जगवीर प्रसाद चतुर्वेदी | " |
| 21. श्री चन्द्रनाथ मिश्र | " |
| 22. श्री कमलेश्वरीन झा, भूतपूर्व एम० एल० ए० | " |
| 23. श्री के० एम० मजारी | " |
| 24. डा० जे० पी० त्रिवेदी | " |
| 25. डा० एन० चन्द्रशेखरन तामर | " |
| 26. श्री अश्वरु रऊफ खसारी, एम० एल० ए० | " |
| 27. श्री आर० श्री रिराजन | " |
| 28. डा० तनवीर अहमद अलवी | " |
| 29. श्री गोपाल मिश्र | " |
| 30. श्री बोमचन्द्र "सुमन" | " |
| 31. प्रोफेसर डा० महीप सिंह | " |
| 32. श्री सुरेश शर्मा | " |
| 33. डा० के० एन० प्रसाद "माणव" | " |
| 34. डा० एम० राजेश्वरम्मा | " |
| 35. श्री के० सी० सिन्हा | " |
| 36. श्री चन्द्रकान्त एस० केनी | " |
| 37. श्री शफी कुरेशी | " |
| 38. प्रो० बी० के० सिन्हा | " |
| 39. संयुक्त सचिव (पत्तन) | सदस्य सचिव |

2. कार्यः—

केन्द्रीय हिन्दी समिति और गृह मंत्रालय (राजभाषा विभाग) की हिन्दी सलाहकार समिति द्वारा सरकारी कामकाज के लिए हिन्दी के प्रयोग के संबंध में निर्धारित नीतियों के कार्यान्वयन और मंत्रालय के कामकाज में हिन्दी के प्रयोग के बारे में सलाह देना।

3. कार्यविधिः—

समिति के सदस्यों की कार्यविधि इसके नठम की तारीख के 3 वर्ष होने पर—

- समिति के लिए नानवहन कोई बजट सदस्य नहीं हो संतत की सदस्यता का त्याग करेगा समिति का जो सदस्य नहीं रहेगा।

2. समिति के पदेन सदस्य उस समय तक समिति के सदस्य रहेंगे जब तक कि वे उस पद पर आसीन रहेंगे जिसके कारण वे समिति के सदस्य हैं।

3. यदि समिति में किसी भी सदस्य के त्यागपत्र अथवा मृत्यु आदि के कारण महावर्धि ही कोई स्थान रिक्त हो जाए तो ऐसे रिक्त स्थान पर नियुक्त सदस्य 3 वर्ष की बाकी अवधि लिए ही पुनर्धारी रहेगा।

4. सामान्य :—

समिति अपनी बैठकों में भाग लेने के लिए समय-समय पर प्रतिरिक्त सदस्यों को सहयोजित कर सकती है और विशेषज्ञों को आमंत्रित कर सकती है या यथावश्यक उप समितियाँ नियुक्त कर सकती है।

2. समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा, लेकिन आवश्यकता होने पर समिति अपनी बैठकें किसी अन्य स्थान पर भी कर सकती है।

3. समिति के गैर सरकारी सदस्यों को समिति की तथा उसकी उप समितियों की बैठकों में शामिल होने के लिए सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित ढंगों पर नियमों के अनुसार यात्रा-भत्ता और दैनिक भत्ता दिया जाएगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रतिलिपि राज्य सरकारों और संघीय क्षेत्रों के प्रशासकों, प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, योजना आयोग, भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक, महालेखाकार, वाणिज्य और विदेश तथा भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को आम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

योगेश्वर नारायण, संयुक्त सचिव

जल संसाधन मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

संकल्प

सं० 6/1/79-पी० पी० :—जल संसाधन मंत्रालय के संकल्प सं० 6/1/79-पी० पी० दिनांक 14 अक्टूबर, 1985 में निम्नलिखित और संशोधन किए जा रहे हैं :—

(1) राष्ट्रीय जल संसाधन परिषद के गठन के विद्यमान क्रम सं० 32 के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए :—

“32, उप राज्यपाल, अद्यतन एवं निकोबार द्वीप समूह-सदस्य”।

(2) परिषद के सदस्यों की सूची के अन्त में निम्नलिखित जोड़ा जाए :—

“41, उप राज्यपाल, योजना आयोग-सदस्य।”

आदेश

आदेश दिया जाता है कि उप संकल्प के सभी राज्य सरकारों एवं संघ शासित प्रदेशों, राष्ट्रपति के निजी एवं सैनिक सचिवों, प्रधानमंत्री कार्यालय, भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक, योजना आयोग तथा केन्द्र सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों को सूचना प्रेषित किया जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए तथा संबंधित राज्य सरकारों को राज्य के राजपत्र में सामान्य सूचना के लिए प्रकाशित करने का अनुरोध किया जाए।

रामसुब्रह्मा ना० अय्यर, सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 19th November 1985

No. 117-Pres/85.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Bihar Police :—

Names and rank of the Officers

Shri Krishna Mohan Lal,
Sub-Inspector of Police,
Police Station Tilauthu, Distt. Rohtas.
Shri Ram Lakhan Singh,
Assistant Sub-Inspector of Police,
Police Station Tilauthu, Distt. Rohtas.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the morning of the 26th April, 1984, Shri Krishna Mohan Lal, Sub-Inspector, Police Station Tilauthu, District Rohtas got reliable information about the assemblage of dacoit Dada's gang in village Bhadokhara for committing dacoity. He alongwith Shri Ram Lakhan Singh, Assistant Sub-Inspector, and an armed Police party rushed to the village. They noticed seven armed personnel coming from the side of a boring. The dacoits, on seeing the Police party, started firing. Shri Lal challenged the dacoits to surrender but they tried to escape towards a hill under the cover of their firing. The Police party chased them but the criminals started climbing the hill. On this, the Sub-Inspector divided the Police party into two groups—one under himself and the other under Shri Ram Lakhan Singh. One group climbed the hill from the north side and the other from the south side. The dacoits having reached the top of the hill before the police parties, started indiscriminate firing on the Police. Finding no alternative and sensing imminent danger to the Police party, Shri Krishan Mohan Lal ordered his men to counter-fire in self-defence. The other party headed by Shri Ram Lakhan Singh also opened fire. Shri Ram Lakhan Singh sustained bullet injury. The encounter continued for nearly two hours. The Police parties marched forward and found five dead bodies of dacoits viz. Sheo Prasad Dube, Babu Lal

2—341G/85

Dusadh, Pal Sahab, Mukhdeo Yadav and Mahesh Yadav. The gang leader Ram Prasad Koiry alias Dada and Radhe Shyam, however, managed to escape.

In this encounter Shri Krishna Mohan Lal, Sub-Inspector and Shri Ram Lakhan Singh, Assistant Sub-Inspector, displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(1) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from 26th April, 1984.

No. 118-Press/85.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Uttar Pradesh Police :—

Names and rank of the Officers

Shri Ravindra Singh,
Sub-Inspector of Police,
Etah.
Shri Ashok Kumar Rawat,
Sub-Inspector of Police,
Etah.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 2nd October, 1983, information was received by Shri Ravindra Singh Sub-Inspector about the presence of a gang of dacoit Kashi alias Baba hiding alongwith a kidnapnee in the standing crops near village Nagla Mohan. He alongwith Shri Ashok Kumar Rawat, Sub-Inspector and a few other Police personnel went to village Nagla Mohan. The sentries of the dacoit gang, who were on tree-tops, saw the approaching Police party and opened fire. The Police party immediately took cover and returned fire and challenged the dacoits to surrender. Since the dacoits had hid themselves behind the platform of a wall, the Police fire proved ineffective. Calculating the strength from its fire power, a villager was sent to bring reinforcement from near-by Police Stations. The gang tried to out flank the Police party by discharging repeated bursts of fire at them. Shri Ashok Kumar Rawat, Sub-Inspector fired from his sten-gun which hit one of the

dacoits, who was later identified as Kashi alias Baba. The dacoits then divided themselves into groups and started moving in different directions. Shri Rawat again challenged the dacoits to surrender but in vain. Meanwhile, the reinforcement had arrived from Police Stations Ganj Dundwara and Sahawar, Sidhpura and Kasganj. One of the groups of dacoits was sighted and it was engaged in heavy firing. After a brief skirmish one of the members of the gang viz., Munna was also shot dead. After an encounter for more than two and a half hours, the Police Party succeeded in shooting down three more members of the gang. The remaining members of the gang, however, managed to escape. On receiving the information the Senior Suptd. of Police also reached the scene of concurrence and reorganised and sub-divided the Police parties to engage the splinter groups of dacoits, but the latter managed to escape.

In this encounter, Shri Ratindra Singh, Sub-Inspector and Shri Ashok Kumar Rawat, Sub-Inspector, displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 2nd October, 1983.

No. 119-Pres/85.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Delhi Police :—

Names and rank of the Officers

Shri Dharam Pal Singh,
Sub-Inspector of Police No. D/1292.

Shri Vijay Kumar Manchanda,
Sub-Inspector of Police No. D/1398.

Shri Sushil Kumar,
Sub-Inspector of Police No. D/2016.

Shri Dharam Vir Gupta,
Sub-Inspector of Police No. D/871.

Shri Sukh Pal,
Constable No. 791/C.

Statement of services for which the decoration has been awarded

There were simultaneous bomb blasts in various parts of Delhi and neighbouring States in the second week of May, 1985, resulting in deaths and injuries to large number of persons. Besides the sense of insecurity, such blasts had also potential of triggering of reactions causing serious communal riots in Delhi and elsewhere.

On the 11th May, 1985, information about some suspicious activities in the house of Kartar Singh Narang of West Patel Nagar, was received at Police Station Patel Nagar, New Delhi. It was suspected that the other co-conspirators might visit the house of Narang on the next day that being a Sunday. Around the clock watch was kept on his house by the Police party of 12 Sub-Inspectors and 2 Constables all armed and in plain clothes. The party was divided into four groups to keep a watch and conduct raid at the appropriate time.

On the 12th May, 1985, at about 2.00 P.M., when the above officers were present in their turn, two suspicious looking persons came near the house. The officers challenged them. On this one Man Mohan Singh Bajaj took out his weapon and attempted to fire at the Police party. Before he could fire, Sub-Inspector Dharam Vir Gupta caught hold of the hand firmly and Constable Sukhpal caught hold of him from behind. He was very strong and he kept on kicking and causing injury to other Sub-Inspectors Manchanda and Sushil Kumar. Though injured, Sub-Inspector Sushil Kumar caught Narang, who attacked the Police party with an iron rod. Similarly, Sub-Inspector Dharam Pal Singh caught hold of Mohinder Singh Oberoi, who attacked the Police party with a 'Kirpan'. These three extremists were the key conspirators in the bomb blast cases. These extremists were apprehended alive through this encounter by the Police party.

Shri Dharam Pal Singh, Sub-Inspector, Shri V. K. Manchanda, Sub-Inspector, Shri Sushil Kumar, Sub-Inspector, Shri Dharam Vir Gupta, Sub-Inspector and Shri Sukh Pal, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 12th May, 1985.

S. NILAKANTAN, Dy. Secy.

MINISTRY OF PLANNING
(DEPARTMENT OF STATISTICS)

New Delhi-110001, the 4th November 1985

No. M-13016/2/85-Coord.—In partial modification of this Department Notification No. H-11013/5/74-JCM/Coord. dated 2-7-1975 read with Notification of even number dated 27-9-1979 constituting the Technical Advisory Committee on Statistics of Employment and Unemployment, the existing entries at Sl. No. 3 and 4 appearing in para 1 of the aforesaid notification are substituted with immediate effect by the following entries respectively :—

3. Economic and Statistical Adviser,
Government of Haryana,
Chandigarh.
4. Commissioner of Statistics,
Government of Tamil Nadu,
Madras.

MUKUL ROY, Under Secy.

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE
(DEPARTMENT OF LEGAL AFFAIRS)

New Delhi, the 29th August 1985

CORRIGENDA

1. No. F. 8(14)/82-I.C.—In the Resolution dated 4-7-1985 published in the Gazette of India Part I Section I dated 11-7-1985 the word "Committee" may be substituted in place of "Sub-Committee" wherever it occurs in the said Resolution.

ORDER

ORDERED that the Corrigendum be published in the Gazette of India for general information.

The 18th September 1985

1. No. F. 8(14)/82-I.C.—In the Resolution dated 4-7-85 published in the Gazette of India Part I Section I dated 11-7-1985 the following may be added after Serial No. 15 of Para 2 as—Sub Para No. 2 "Shri Ch. Prabhakara Rao, Joint Secretary and Legal Adviser in the Ministry of Law and Justice, Department of Legal Affairs will act as Secretary to the Committee."

ORDER

ORDERED that the Corrigendum be published in the Gazette of India for general information.

B. S. SEKHON, Secy.

MINISTRY OF PERSONNEL AND TRAINING
ADMINISTRATIVE REFORMS AND PUBLIC
GRIEVANCES AND PENSION
(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND TRAINING)

New Delhi-110001, the 5th November 1985

RESOLUTION

No. 11014/2/85-Hindi.—The Government of India have decided to constitute a Hindi Advisory Committee for the Ministry of Personnel & Training, Administrative Reforms and Public Grievances and Pension. The composition, functions etc. of the Committee will be as under :—

I. Official Members

Chairman

1. Shri P. Chidambaram, Dy. Minister (P).

MEMBER

2. Shri K. Ramanujam, Secretary (P).
 3. Kumari Kusum Lata Mittal, Secretary (OL).
 4. Shri R. K. Tikku, Estt. Officer.
 5. Shri R. Parmeswar, Addl. Secretary (AR).
 6. Shri I. K. Rasgotra, Addl. Secretary (Pension).
 7. Shri D. C. Gupta, Joint Secretary (Vigilance).
 8. Smt. Aarti Khosla, Joint Secretary (Estt.).
 9. Joint Secretary (Services).
 10. Shri Ashok Pradhan, Joint Secretary (Policy & Planning).
 11. Shri K. A. Chandrashekhar, Joint Secretary (Training).
 12. Joint Secretary (Official Language).
 13. Director (Institute of Secretariat Training & Management).
 14. Director (Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration).
 15. Director (Central Bureau of Investigation).
 16. Chairman (Staff Selection Commission).
 17. Shri S. K. Parthasarthy, OSD (Administrative Tribunal).
 18. Shri N. K. Agarwal, Director (Admn.).
- II. *Non-Official Members*
19. Shri Ram Pal Singh, MP (Lok Sabha) 50, North Avenue, New Delhi.
 20. Shri Vishnu Kumar Modi, MP (Lok Sabha) 8, Rajasthan House, New Delhi.
 21. Shri Chandrika Prasad Tripathi, MP 98, North Avenue, New Delhi. (Rajya Sabha).
 22. Dr. Bapu Kaldate, MP (Rajya Sabha) 11, Lodhi Estate, New Delhi.
 23. Shri Sudhakar Tansky, MP } Member of Committee of Parliament
 24. Shri S. Jagathrakshakan, MP } on Official Language
 25. Shri Saheb Rao Lahankar, Shivaji Nagar, Nader (Maharashtra).
 26. Dr. Chander Shekher, Reader, Hindi Deptt. Punjabi University Patiala.
 27. Shri P. R. Srinivas Shastri, Adviser, Karnatka Mahila Hindi Sewa Samiti Tatha Principal, Hindi Shikshak, B.Ed., Training College, Bangalore.
 28. Shri U. C. Aggarwal, Chairman of the Kendriya Sachivalaya Hindi Parishad, and Commissioner Central Vigilance Commission.

Member Secretary

29. Shri A. S. Mehta, Joint Secretary (Admn.).

III. Functions

This Committee will advise the Ministry of Personnel and Training, A.R. & P.G. & Pension and its attached/subordinate offices on matters relating to progressive use of Hindi for official purposes.

IV. Tenure

The tenure of the Committee shall ordinarily be three years from the date of its first composition provided that :—

- (a) a member, who is a member of Parliament, ceases to be a Member of Parliament;
- (b) Ex-officio members of the Committee shall continue as members so long as they hold the office by virtue of which they are members of the Committee;
- (c) If a vacancy arises on the Committee due to death etc. or resignation of the member, the member appointed in that capacity shall hold office for the residual tenure of three years.

V. General

- (i) The Committee may nominate additional members as coopted members and invite experts to attend its meetings as may be considered necessary;
- (ii) The Headquarter of the Committee shall be at New Delhi.

VI. Travelling and other Allowances

The non-official members will be paid travelling and daily allowances for attending the meetings of the Committee at the rates fixed by Government of India from time to time.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to :—

President's Secretariat, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, Comptroller and Auditor General of India, Director of Audit, Central Revenues, all Members of the Samiti, all Ministries and Departments of the Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

A. S. MEHTA, Jr. Secy.

MINISTRY OF PETROLEUM

New Delhi, the 4th November 1985

ORDER

Subject :—Grant of Petroleum Exploration Licence for AN-32, AN-33 and AN-34 Structure of Andaman Offshore area measuring 348 sq. kms. to ONGC Madras.

No. 0-12012/15/85-ONGD4.—In exercise of the powers conferred by clause (i) of sub-rule (i) of rule 5 of the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959, the Central Government hereby grants to the Oil and Natural Gas Commission, Tel Bhavan Dehradun (herein after referred to as Commission) a Petroleum Exploration Licence to Prospect for Petroleum for four years from 6-4-85 for AN-32, AN-33 and AN-34 Structure of Andaman offshore area measuring 348 sq. kms. the particulars of which are given in Schedule 'A' annexed hereto.

The Grant of Licence is subject to the terms and conditions mentioned below.

- (a) The Exploration Licence should be in respect of Petroleum.
- (b) If any minerals are found during the exploration work, the commission should bring that to the notice of the Central Government with full particulars thereof.
- (c) Royalty at the rates mentioned below shall be charged.
 - (i) Rs. 61/- per metric tonne or such rates as may be fixed by the Central Government from time to time on all crude oil and casing head condensate.
 - (ii) In case of natural gas, at such rates as may be fixed by the Central Government from time to time.

The royalty shall be paid to the Pay & Accounts Officer, Ministry of Petroleum, New Delhi.

- (d) The Commission shall, within the first 30 days of every month, furnish to the Central Government, a full proper return showing the quantity and gross value of all crude oil, casing head condensate and natural gas obtained during the proceeding month in pursuance of the licence. The return shall be in the form given in Schedule 'B' annexed hereto.
- (e) The Commission shall deposit a sum of Rs. 6000/- as security as required by rule 11 of the PNG Rules, 1959.

- (f) The Commission shall pay every year in advance a fee in respect of the licence calculated at the following rates for each square kilometer or part thereof covered by the licence.

- (i) Rs. 4/- for the first year of the licence;
 (ii) Rs. 20/- for the second year of the licence;
 (iii) Rs. 100/- for the third year of the licence;
 (iv) Rs. 200/- for the fourth year of the licence;
 (v) Rs. 300/- for the first and second year of renewal.

- (g) The Commission shall be at liberty to determine the relinquishing of any part of the area covered by the exploration licence by giving not less than two month notice in writing to the Central Government as required by sub-rule (3) of the rule 11 of the Petroleum & Natural Gas Rules, 1959.

- (h) The Commission shall immediately on demand submit to Central Government confidentially a full report of the geological data of all the minerals found during the exploration of oil and natural gas and shall submit without fail every six months the results of all operations, boring and exploration to the Central Government.

- (i) The Commission shall take preventive measures against the hazard of fire under sea bed and/or on the surface and shall keep such equipment, supplies and means to extinguish the fire at all times and shall pay such compensation to third party and/or Government as may be determined in case of damage due to the fire.

- (j) This exploration licence shall be subject to the provisions of the Oil Fields (Regulation and Development) Act, 1948 (53 of 1948) and the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959.

- (k) The Commission shall execute a deed of the Petroleum Exploration Licence in the form applicable to offshore areas as approved by the Central Government.

- (l) The Commission should render, Bathymetric, bottom samples, Current and magnetic data collected during the drilling/exploration operations/survey, to Ministry of Defence Naval Headquarters in the usual manner.

- (m) ONGC ensure security of Oceanographic data.
 (n) The entire data is processed in India.
 (o) ONGC render a complete set of data pertaining to bathy, bottom samples, current and magnetic observation free of cost to the Chief Hydrographer, Dehradun.
 (p) Foreign Vessels if deployed for survey, are to undergo naval security inspections by a team of Indian Navy Specialists officers prior to deployment. Adequate notice about the arrival of such vessel in India is to be given to facilitate deputation of the inspection team.
 (q) The date of commencement/cessation of survey be intimated to facilitate future operational planning.

SCHEDULE—'A'

Data relating to PEL for AN-32, AN-33 and AN-34 Structure of Andaman offshore area measuring 348 sq. kms.

1. Structures = AN-32, AN-33 and AN-34.
 2. PEL area = 348 sq. Kms.

3. Geographical Coordinates of PEL Area :
 Point A : Lat. 12° 16' 00"
 Long. 93° 11' 00"

Point B : Lat. 12° 16' 00"
 Long. 93° 18' 00"

Point C : Lat. 12° 03' 22"
 Long. 93° 15' 43"

Point D : Lat. 12° 02' 00"
 Long. 93° 10' 00"

Point E : Lat. 12° 06' 00"
 Long. 93° 07' 00"

4. Approximate distances of farthest points from three prominent places of land are as follows :—

- (i) Port Blair = 90kms.
 (ii) Havelock Island = 41 kms.
 (iii) Henry Lawrence Island = 26 kms.

5. Average approximate depth of superjacent water in the area = Less than 100 m to 300 m.

6. Likely date of spudding = 6-4-1985.

SCHEDULE 'B'

Monthly return of crude oil, casing-head condensate and natural gas produced and value thereof.

Petroleum Exploration Licence for Area

Month and Year

A. Crude Oil

Total No. of Metric Tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purpose of petroleum exploration operation approved by the Central Government.	No. of Metric tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

E—Casing head condensate

Total number of Metric Tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration approved by Central Govt.	No. of Metric Tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5
1				
2				
3				

C—Natural Gas

Total number of cubic metres obtained	Number of cubic metres unavoidably lost or returned to natural reservoir	Number of cubic metres used for purposes of petroleum exploration approved by the Central Government	Number of cubic metres obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

I, Shri—do hereby solemnly and sincerely declare and affirm that the information in this return is true and correct in every particular and make this solemn declaration conscientiously believing the same to be true.

(Signature)

By order in the name of the President of India.
K. RAJAGOPALAN Desk Officer

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPN.)

New Delhi, the 3rd October 1985

RESOLUTION

No. 2-1/85-Hindi Neeti.—In continuation of the Ministry of Agriculture Resolution of even number dated the 17th September, 85 Shri Harish Pawar, Member of Parliament is hereby nominated as a Member of the Hindi Advisory Committee of the Ministry of Agriculture vice Shri Jamilur Rehman, who has expired.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to the Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat, Vice-President's Secretariat, Comptroller and Auditor General of India, Union Public Service Commission, High Pay and Accounts Office, Ministry of Agriculture, All Departments of the Ministry of Agriculture and their attached subordinate Offices and undertakings etc. and all Ministries and Departments of the Govt. of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. S. RIZVI, Jt. Secy

MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT

New Delhi, the 30th October 1985

RESOLUTION

No. E-1105/4/84-Hindi.—In continuation of the Ministry of Urban Development (Ex-Ministry of Works and Housing) Resolution of even number dated 11th July, 1985, 26th August, 1985 and 17th Sep., 1985 the Government of India has decided to nominate Minister of State for Urban Development as Vice-Chairman of the Hindi Salahkar Samiti and Joint Secretary (NCR) as member of the Hindi Salahkar Samiti of Ministry of Urban Development.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all the members of the Samiti, all State Governments and Union Territory Administrations, President's Secretariat, Prime Minister's Secretariat, Cabinet Secretariat, Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Comptroller and Auditor General of India and all the Ministries/Departments of the Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

B. M. GUPTA, Dy. Secy.
& Member-Secretary Hindi Salahkar Samiti

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT

(HINDI SECTION)

New Delhi, the 3rd September 1985

RESOLUTION

No. EPU/106/85.—The Govt. of India makes partial modification in the Ministry of Shipping and Transport's resolution of even number dated the 25th March, 1981 regarding the reconstitution of Hindi Salahkar Samiti of the said Ministry and consequently reconstitutes the said Hindi Salahkar Samiti as given below :—

Chairman

1. Minister of State for Shipping & Transport
2. Shri Shiv Prasad, M. P. (Lok Sabha)

Members

3. Shri. Narain Chaudhary, M.P. (Lok Sabha)
4. Shri. Sudhakar Pardey, M.P. (Rajya Sabha)
5. Shri. Ganeswar Kishore, M.P. (Rajya Sabha)
6. Shri. Nepal Dev Bhattacharya, M.P.
7. Shri. K. V. Thomas, M.P.
8. Transport Secretary
9. Additional Secretary (Ports)
10. Director General (Road Development)

11. Director General (Shipping)
12. Director General, Department of Lighthouses & light-ships
13. Chairman and Managing Director, Shipping Corp'n. of India Ltd.
14. Chairman and General Manager, Central Inland Water Transport Corporation Ltd.
15. Chairman, Calcutta Port Trust
16. Chairman, Madras Port Trust
17. Secretary, Deptt. of Official Language & Hindi Adviser to the Govt. of India
18. Joint Secretary, Deptt. of O.L. (Ministry of Home Affairs)
19. Sh. Gaya Singh, Ex. M.L.A.
20. Sh. Jagdish Prasad Chaturvedi
21. Sh. Chandra Nath Misra
22. Sh. Shomsuddin Khan, Ex. M.L.A.
23. Sh. K. M. Mathai
24. Dr. J. P. Dwivedi
25. Dr. N. Chandrashekharan Nair
26. Sh. Abdul Rauf Ansari, M.L.A.
27. Sh. R. Shaurirajan
28. Dr. Tanvir Ahmed Alvi
29. Sh. Gopal Misra
30. Sh. Khem Chandra, "Suman"
31. Prof. Dr. Mship Singh
32. Sh. Surendra Sharma
33. Dr. K. N. Prasad "Magad"
34. Dr. M. Rajeshwarayya
35. Sh. K. C. Sinha
36. Sh. Chandrakant S. Kene
37. Sh. Shafi Qureshi
38. Prof. V. K. Sinha

Member Secy.

39. Joint Secretary (Ports)

II. Function :—

The Samiti will render advice on all matters relating to progressive use of Hindi in day-to-day work of the Ministry and implementation of policy and instructions issued by the Central Hindi Samiti and Hindi Advisory Committee of the Ministry of Home Affairs (Deptt. of Official Language).

III. Tenure :

The term of office of the members of this Samiti will be three years from the date of its reconstitution, provided that :—

- (1) A member of Parliament nominated to the Samiti shall cease to be a member of this Samiti as soon as he ceases to be a member of Parliament.
- (2) The Ex-Officio members of the Samiti shall continue so long as they hold office by virtue of which they have gained membership of the Samiti.
- (3) A mid-term vacancy caused due to resignation, or death etc. of any member of the Samiti shall be filled up by his successor who shall hold office as member of this Samiti for the residue of the term of three years.

IV. GENERAL :

- (i) The Samiti may co-opt additional members or invite experts to attend its meetings or may appoint sub-committee as may be deemed necessary.
- (ii) The headquarters of the Samiti will be at New Delhi but it can hold its meetings at another place also, if necessary.
- (iii) Non-official members of the Samiti shall be paid Travelling Allowance and Daily Allowance at the rates as prescribed by the Government from time to time and as shall be admissible under rules for attending meetings of the Samiti or its Sub-Committee if any.

ORDER

It is ordered that a copy of this Resolution may be sent to all State Governments and Union Territory Administration, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, President's Secretariat, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Department of Parliament Affairs, Planning Commission, Comptroller and Auditor General of India, Accountant General, Commerce, Works and Miscellaneous and all Ministries and Departments of the Govt. of India.

ORDERED also that the resolution be published in the Gazette of India for general information.

YOGENDRA NARAIN, Jt. Secy.

MINISTRY OF WATER RESOURCES

New Delhi, the 29th October 1985

RESOLUTION

No. 6/1/79-PP.—In Ministry of Water Resources' Resolution No. 6/1/79-PP dated 14th October, 1985, the following further amendments are made :—

- (1) For the existing (S. No. 32) of the composition of National Water Resources Council, the following may be *Substituted* :—

"(32) Lt. Governor,
Andaman & Nicobar Islands—
Member".

- (2) Add the following at the end of the list of Members of the Council :—

"(41) Deputy Chairman,
Planning Commission—
Member".

ORDER

ORDERED that this Resolution be communicated to all the State Governments and the Union Territories, the Private and Military Secretaries to the President, Prime Minister's office, the Comptroller and Auditor General of India, the Planning Commission and all Ministries/Departments of the Central Government for information.

ORDERED also that this Resolution be published in the Gazette of India and the concerned State Governments be requested to publish it in the State Gazettes for general information.

RAMASWAMY R. IYER, Secy.